



Mr.Rajan Pandey

21 Apr 1996

10:00 AM

Mathura

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120655703

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 21/04/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 21/04/2025
 रविवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 10:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 20:42:13 घंटे
 घटी 10:27:14 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 37:12:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Mathura : _____ स्थान _____ : Mathura
 उत्तर 27:30:00 : _____ अक्षांश _____ : 27:30:00 उत्तर
 पूर्व 77:42:00 : _____ रेखांश _____ : 77:42:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:12 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:49:06 : _____ सूर्योदय _____ : 05:49:08
 18:47:08 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:47:07
 23:48:23 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:38
 मिथुन : _____ लग्न _____ : वृश्चिक
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 वृष : _____ राशि _____ : मकर
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 रोहिणी : _____ नक्षत्र _____ : श्रवण
 चन्द्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
 2 : _____ चरण _____ : 2
 शोभन : _____ योग _____ : साध्य
 वणिज : _____ करण _____ : तैतिल
 वा-वासुदेव : _____ जन्म नामाक्षर _____ : खू-खुशी
 वृष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृष
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : जलचर
 सर्प : _____ योनि _____ : वानर
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 29 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 30



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	2	13:13:21	मिथु			लग्न			वृश्चि	03:06:38	4	विशाखा
अश्विनी	3	07:32:58	मेष			सूर्य			मेष	07:32:58	3	अश्विनी
रोहिणी	2	15:52:23	वृष			चंद्र			मक	14:25:34	2	श्रवण
रेवती	4	27:26:02	मीन	अ		मंगल			कर्क	07:14:10	2	पुष्य
कृतिका	1	27:25:24	मेष			बुध			मीन	10:15:50	3	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढा	4	23:34:01	धनु			गुरु			वृष	25:20:04	1	मृगशिरा
रोहिणी	4	21:32:37	वृष			शुक्र			मीन	01:47:49	4	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	07:48:45	मीन			शनि			मीन	02:39:08	4	पू०भाद्रपद
हस्त	4	23:16:54	कन्या	व		राहु			मीन	02:38:42	4	पू०भाद्रपद
रेवती	2	23:16:54	मीन	व		केतु			कन्या	02:38:42	2	उ०फाल्गुनी
श्रवण	1	10:38:56	मक			मु			वृश्चि	13:13:21	3	अनुराधा

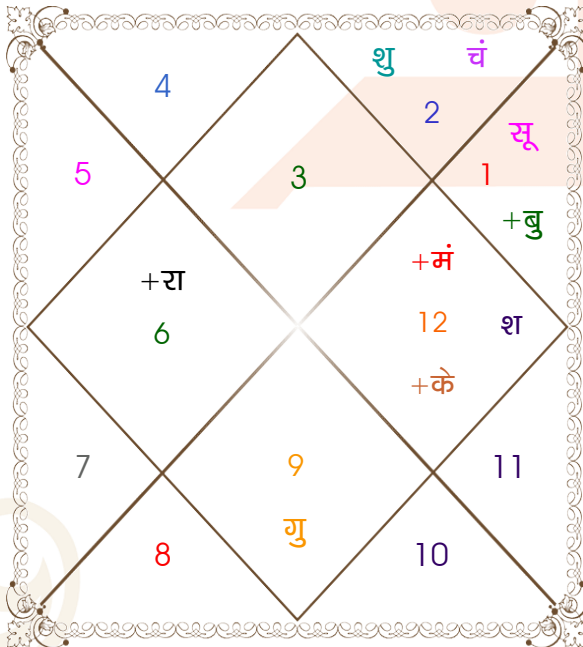
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

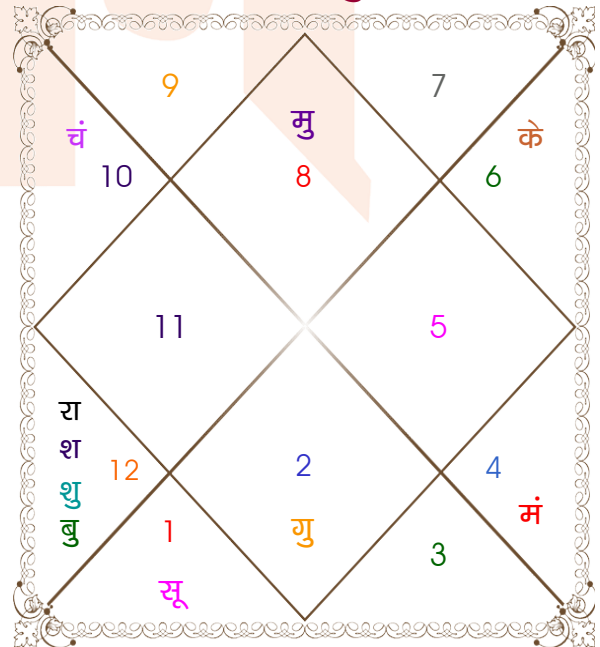
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:38

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - राहु 29/11/2025 03:23 25/01/2026 16:02	राहु - मंगल - गुरु 25/01/2026 16:02 17/03/2026 19:17	राहु - मंगल - शनि 17/03/2026 19:17 17/05/2026 12:37	राहु - मंगल - बुध 17/05/2026 12:37 10/07/2026 20:34
राहु 07/12/2025 18:29 गुरु 15/12/2025 10:34 शनि 24/12/2025 13:11 बुध 01/01/2026 16:46 केतु 05/01/2026 01:18 शुक्र 14/01/2026 15:25 सूर्य 17/01/2026 12:27 चंद्र 22/01/2026 07:30 मंगल 25/01/2026 16:02	गुरु 01/02/2026 11:40 शनि 09/02/2026 13:59 बुध 16/02/2026 19:50 केतु 19/02/2026 19:26 शुक्र 28/02/2026 07:58 सूर्य 02/03/2026 21:20 चंद्र 07/03/2026 03:36 मंगल 10/03/2026 03:11 राहु 17/03/2026 19:17	शनि 27/03/2026 10:01 बुध 05/04/2026 00:29 केतु 08/04/2026 13:30 शुक्र 18/04/2026 16:23 सूर्य 21/04/2026 17:15 चंद्र 26/04/2026 18:42 मंगल 30/04/2026 07:43 राहु 09/05/2026 10:19 गुरु 17/05/2026 12:37	बुध 25/05/2026 05:21 केतु 28/05/2026 09:25 शुक्र 06/06/2026 10:44 सूर्य 09/06/2026 03:56 चंद्र 13/06/2026 16:36 मंगल 16/06/2026 20:40 राहु 25/06/2026 00:15 गुरु 02/07/2026 06:07 शनि 10/07/2026 20:34
राहु - मंगल - केतु 10/07/2026 20:34 02/08/2026 05:29	राहु - मंगल - शुक्र 02/08/2026 05:29 05/10/2026 03:32	राहु - मंगल - सूर्य 05/10/2026 03:32 24/10/2026 07:45	राहु - मंगल - चंद्र 24/10/2026 07:45 25/11/2026 06:46
केतु 12/07/2026 03:53 शुक्र 15/07/2026 21:22 सूर्य 17/07/2026 00:13 चंद्र 18/07/2026 20:58 मंगल 20/07/2026 04:17 राहु 23/07/2026 12:49 गुरु 26/07/2026 12:25 शनि 30/07/2026 01:25 बुध 02/08/2026 05:29	शुक्र 12/08/2026 21:10 सूर्य 16/08/2026 01:52 चंद्र 21/08/2026 09:42 मंगल 25/08/2026 03:11 राहु 03/09/2026 17:18 गुरु 12/09/2026 05:50 शनि 22/09/2026 08:43 बुध 01/10/2026 10:03 केतु 05/10/2026 03:32	सूर्य 06/10/2026 02:33 चंद्र 07/10/2026 16:54 मंगल 08/10/2026 19:45 राहु 11/10/2026 16:46 गुरु 14/10/2026 06:08 शनि 17/10/2026 07:00 बुध 20/10/2026 00:12 केतु 21/10/2026 03:03 शुक्र 24/10/2026 07:45	चंद्र 26/10/2026 23:40 मंगल 28/10/2026 20:25 राहु 02/11/2026 15:28 गुरु 06/11/2026 21:44 शनि 11/11/2026 23:11 बुध 16/11/2026 11:51 केतु 18/11/2026 08:35 शुक्र 23/11/2026 16:25 सूर्य 25/11/2026 06:46
गुरु - गुरु - गुरु 25/11/2026 06:46 09/03/2027 04:13	गुरु - गुरु - शनि 09/03/2027 04:13 10/07/2027 13:10	गुरु - गुरु - बुध 10/07/2027 13:10 28/10/2027 22:27	गुरु - गुरु - केतु 28/10/2027 22:27 13/12/2027 09:20
गुरु 09/12/2026 03:14 शनि 25/12/2026 14:02 बुध 09/01/2027 07:16 केतु 15/01/2027 08:43 शुक्र 01/02/2027 16:17 सूर्य 06/02/2027 20:58 चंद्र 15/02/2027 12:45 मंगल 21/02/2027 14:12 राहु 09/03/2027 04:13	शनि 28/03/2027 17:02 बुध 15/04/2027 04:30 केतु 22/04/2027 09:13 शुक्र 12/05/2027 22:43 सूर्य 19/05/2027 02:46 चंद्र 29/05/2027 09:31 मंगल 05/06/2027 14:14 राहु 24/06/2027 02:23 गुरु 10/07/2027 13:10	बुध 26/07/2027 04:29 केतु 01/08/2027 15:02 शुक्र 20/08/2027 00:35 सूर्य 25/08/2027 13:02 चंद्र 03/09/2027 17:49 मंगल 10/09/2027 04:21 राहु 26/09/2027 17:45 गुरु 11/10/2027 10:59 शनि 28/10/2027 22:27	केतु 31/10/2027 14:05 शुक्र 08/11/2027 03:54 सूर्य 10/11/2027 10:27 चंद्र 14/11/2027 05:21 मंगल 16/11/2027 20:59 राहु 23/11/2027 16:37 गुरु 29/11/2027 18:04 शनि 06/12/2027 22:48 बुध 13/12/2027 09:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही वाहन संबंधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकांश समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।